Avinashilingam Institute for Home Science and Higher Education for Women
Coimbatore-641 043

Bachelor's Degree Examination – November 2017
I Semester

Class : I UG **Time :3 hours**
Major : Functional Hindi **Max. Marks: 100**

15BFHC03 Ancient Poetry

Part A
Choose the Correct Answer

PART - A (10x1=10)

सही उत्तर को चुनकर गोलाकृत कीजिए।

1. 'रसिक-प्रिया' किसकी रचना है?
   (a) केशवदास, (b) रहीम, (c) कबीरदास, (d) नरोत्तम दास।
2. कबीरदास किसके शिष्य थे?
   (a) परमानन्द (b) रामानन्द, (c) विवेकानन्द, (d) आनन्द।
3. 'गागर में सागर' भरने वाले कवि कौन हैं?
   (a) ध्रुव, (b) सूरदास, (c) भूषण, (d) बिहारी
4. 'चर्यापद' किसकी रचना है?
   (a) सरहपा, (b) लुइपा, (c) शबरपा, (d) कण्हपा।
5. नाथ-मत के प्रवर्तक कौन है?
   (a) जलंधरनाथ (b) गोरखनाथ, (c) भीमनाथ, (d) मलयनाथ।
6. पृथ्वीराज को कौन बन्दी बनाकर अपने देश ले गया था?
   (a) इब्राहीम लोदी, (b) अकबर, (c) मुहम्मद गोरी, (d) सुल्तान।
7. मीराबाई किसकी पुत्री थी?
   (a) रामसिंह, (b) कुंवर सिंह, (c) भूपसिंह, (d) लक्ष्मण सिंह।
8. मृगावती किसकी रचना है?
   (a) मंझन, (b) रैदास, (c) मालती, (d) कुतुबन।
9. 'ललित-ललाम' किसका ग्रन्थ है?
   (a) मतिराम, (b) भूषण, (c) चिन्तामणि, (d) घनानंद।
10. तुलसीदास का जन्म कहाँ हुआ?
   (a) रायपुर, (b) सोरो, (c) जयपुर, (d) मथुरा।

Part B **5 X 6=30**

Answer the following

Answer should not exceed 400 words or two pages

PART-B -

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए :-
उत्तर 400 शब्दों से अधिक का न हो।
संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

11(a). तेरा साईं तुज्झ में, ज्यों पुहुपन में बास।
कस्तूरी का मिरग ज्यों फिर-फिर ढूँढे घास॥

(या)

(b) - सब धरती कागद करूँ, लेखनी सब बनराय॥
सात समुँद की मसि करूँ, गुरु गुन लिखा न जाय॥

12(a) मेरी भव-बाधा हरौ, राधा नागरि सोइ।
जा तन की झाँई परे, स्याम हरित-दुति होइ॥

(या)

(b) दिन दस आदरु पाइकै, करि लै आपु बखानु।
जौ लगि काग। सराधपखु, तौ लगि तौ सनमानु॥

13(a). पग घुँघरू बाँध मीरा नाची रे।
------ ------
------ ------ मीरा हाँसी रे।
बिष का प्याला राणाजी भेज्या, पीवत मीरा हाँसी रे।
मीरा के प्रभु गिरिधर नागर, सहज मिल्यो अविनासी रे॥

(या)

(b) माई री मैं तो गोविन्द लियो मोल।
कोई कहै छानै कोई कहै चौड़े, लियो री बजता ढोल।
कोई कहै ------ ------
------ ------
याही कूँ सब लोग जानत हैं, लियो री आँखी खोल।
मीरा कूँ प्रभु दरसन दीज्यौ, पूरब जनम कौ कोल।

14(a) चोरी करत कान्ह धरि पाये।
निसि बासर मोहि बहुत सतायो, अब हरि हाथहिं आये।
------ ------
मुख तन चितै बिहँसि हँसि दीनी, रिस तब गयी बुझाई।
लियो उर लाइ ग्वालिनी हरि को, 'सूरदास' बलि जाई॥

(या)

(b) ऊधौ मन न भए दस-बीस।
एक हुतौ सो गयौ स्याम संग, को अवराधै ईस।
------ ------
तुम तौ सखा स्याम सुन्दर के, सकल जोग के ईस।
सूर हमारे नंद-नंदन बिनु, और नहीं जगदीस॥

15(a). तुलसी संत सुअम्ब-तरु, फूलि, फलहि पर-हेत।
इतते ये पाहन हनत, उतते वे फल देत॥

(या)

(P.T.O)

b) माँगी नाव न केवट आना। कहै तुम्हार मरम मैं जाना।
चरन-कमल रज कहुँ सबु कहई, मानुष करनि मूरि कछु अहई।

PART - C (5 X 12 = 60)

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
उत्तर 800 शब्दों से अधिक का न हो।

16 (a). भक्ति काल की आरम्भिक परिस्थितियों पर प्रकाश डालिए।

(या)

(b) रीतिकाल की उत्पत्ति और विकास पर लेख लिखिए।

17 (a) प्रेममार्गी शाखा से क्या तात्पर्य है? विवेचना करते हुए उनकी विशेषताओं पर लेख लिखिए।

(या)

(b) राम भक्ति के प्रचार में तुलसीदास जी ने जो योग दिया है उनका संक्षिप्त वर्णन कीजिये।

18 (a). पठित अंश के आधार पर कबीर के दोहों का विवेचना कीजिए।

(या)

(b) अपने पाठ्यक्रम के आधार पर सूरदास की भक्ति-भावना पर लेख लिखिए।

19 (a) पठित भाग के आधार पर बिहारी के काव्य सौष्ठव पर विचार कीजिए।

(या)

(b) मीरा बाई की भक्ति-भावना को अपने पाठ्यक्रम के आधार पर विवेचना कीजिए।

20 (a) तुलसीदास के केवट-प्रसंग पर विवेचना कीजिए।

(या)

(b) कृष्ण भक्ति शाखा के कवियों का उल्लेख कीजिए और उनका संक्षिप्त परिचय दीजिए।